भारत सरकार
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2574
(दिनांक 06.3.2020 को उत्तर देने के लिए)

एमआईएफएफ-2020

2574. श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः
डॉ॰ अमोल रामसिंह कोल्हेः
श्री डी॰एन॰वी॰ सेंथिल कुमार एस॰:
श्री कुलदीप राय शर्माः
श्री श्रीनिवास दादा साहेब पाटीलः
डॉ॰ सुभाष रामराव भामरेः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत ने हाल ही में 16वीं एम॰आई॰एफ॰एफ॰-2020 (मुम्बई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल फॉर डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिक्शन और एनिमेशन फिल्मों) की मेजबानी की है;

(ख) यदि हां, तो इस त्योहार में प्रदर्शित किए गए विभिन्न देशों के वृत्तचित्र, लघु कथा और एनीमेशन फिल्मों की संख्या सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस त्योहार ने भारतीय वृत्तचित्र, लघु कथा और एनीमेशन फिल्मों को दुनिया के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने में मदद की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या उक्त फिल्म समारोह के लिए कोई उद्देश्य निर्धारित किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या लाभ प्राप्त हुए हैं;

(ङ) इस त्योहार के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार ने देश में बनी डॉक्यूमेंट्री और लघु फिल्मों को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने और विदेशों में भी इसके लिए बाजार तैयार करने के लिए अन्य क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन; सूचना और प्रसारण तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
(श्री प्रकाश जावडेकर)

(क) से (च): जी हां। 16वें एमआईएफएफ-2020 का 28 जनवरी से 3 फरवरी, 2020 तक सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था। इस महोत्सव के दौरान, भारत और 35 देशों के कुल 305 वृत्तचित्र, लघु कथा और एनिमेशन फिल्में प्रदर्शित की गई थीं। चूंकि एमआईएफएफ 2020 में विभिन्न देशों के जूरी सदस्यों सहित फिल्मी हस्तियों ने भाग लिया, अत: इससे भारतीय वृत्तचित्र, लघु कथा और एनिमेशन फिल्मों को विश्व के अन्य भागों में पहुंचाने में मदद मिली है। एमआईएफएफ से फिल्म निर्माताओं को विश्वभर की सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फिल्म देखने, फिल्म निर्माण में नए रूझानों को समझने और नेटवर्क तैयार करने, फिल्म निर्माताओं मेंटरों, वितरकों और सह-निर्माताओं के साथ मेलजोल करने तथा उपयोगी संबंध विकसित करने का मंच मिलता है। एमआईएफएफ का उद्देश्य वृत्तचित्र, लघुकथा और एनिमेशन फिल्म निर्माताओं को नए विचारों को तलाशने और उन्हें नकद पारितोषिक सहित पुरूस्कार देकर अच्छी फिल्में बनाने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। एमआईएफएफ से विशेषज्ञों द्वारा फिल्म बनाने के तकनीकी और सौंदर्यपरक पहलुओं पर कार्यशालाओं और मास्टर क्लासों के आयोजन के साथ-साथ गैर-फीचर विद्या में सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को देखने का अवसर मिलता है। 16वें एमआईएफएफ-2020 का आयोजन करने के लिए 455.00 लाख रुपए की राशि आवंटित की गई है। महोत्सव आयोजित करने के लिए संपूर्ण आवंटित राशि का उपयोग किया गया है। इसके अलावा फिल्म क्लबों, मीडिया संस्थानों और सरकारी संगठनों के सहयोग से देश के विभिन्न हिस्सों में एफआईएफएफ-2020 की पुरस्कार विजेता फिल्मों को दिखाने वाले मिनी एमआईएफएफ का आयोजन किया जाना है। फिल्म प्रभाग द्वारा निर्मित वृत्तचित्रों को प्रमुख भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में प्रदर्शित किया जाता है। विदेश मंत्रालय की सहायता से विदेशों में भारतीय मिशनों के जरिए भी फिल्में प्रदर्शित की जाती है।

*****